# मौसम में बदलाव के कारण इस वर्ष बाढ़ रोकने का काम 15 के बजाय एक जून से ही शुरू होगा

## जल संसाधन विभाग ने विधायक एवं विधान पार्षद से फीडबैक लेने के लिए बुलाई बैठक

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

मौसम के व्यवहार में हो रहे बदलाव को देखते हुए जल संसाधन विभाग इस वर्ष 1 जून से ही बाढ़ संघर्षात्मक कार्यों की शुरुआत करेगा। पिछले वर्षों में यह कार्य 15 जून से शुरू होता था। यह जानकारी जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने सोमवार को विधायक और विधान पार्षद से फीडबैक प्राप्त करने के लिए आयोजित बैठक में दी। बिहार में बाढ़ एवं सुखाड़ से निपटने के लिए संबंधित विभागों द्वारा किए गए कार्यों एवं आगामी तैयारियों की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में 18 मई को हुई उच्चस्तरीय बैठक में समीक्षा की गई थी।

इसमें मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी विधायक एवं विधान पार्षद को उनके क्षेत्र में हुए कार्यों तथा तैयारियों के बारे में जानकारी देकर उस पर उनका फीडबैक प्राप्त करने का निर्देश दिया थस। मुख्यमंत्री के निर्देश के आलोक में जल संसाधन विभाग द्वारा 23 और 25 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रमंडलवार विशेष बैठक का आयोजन किया जा रहा है। इन बैठकों में प्राप्त फीडबैक की जानकारी मुख्यमंत्री को दी जाएगी।

### जल संसाधन मंत्री ने कहा-फीडबैक की जानकारी सीएम को देंगे

बैठक में मौजूद जल संसाधन मंत्री।

23 मई के सत्र में तिरहुत प्रमंडल, जबकि दोपहर बाद के सत्र में पटना, मगध और मुंगेर प्रमंडल के मंत्री, विधायक और विधान पार्षद बैठक से जुड़े। इसमें जल संसाधन मंत्री श्री संजय कुमार झा के अलावा पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन और ग्रामीण कार्य मंत्री जयंत राज कुशवाहा ने अपने-अपने विभागों के कार्यों और तैयारियों की जानकारी दी। इसमें वर्ष 2021 की बाढ़ के पश्चात क्षतिग्रस्त बांध, सड़क, पुल-पुलिया, डायवर्सन, आहर-पईन आदि के पुनर्स्थापन कार्य एवं वर्ष 2022 की संभावित बाढ़ तथा सुखाड़ से सुरक्षा के लिए हो रहे कार्यों व तैयारियों की जानकारी दी गई और उन पर फीडबैक प्राप्त किया गया।

### 48 घंटे में परिचालन योग्य बन जाएंगी सड़कें

बैठक में ग्रामीण कार्य मंत्री जयंत राज कुशवाहा ने बताया कि 2021 की बाढ़ के दौरान क्षतिग्रस्त अधिकतर पथों की पुनर्स्थापना कर ली गई है। कुछ बचे हुए कार्य भी 31 मई तक पूरे कर लिये जाएंगे। पुल-पुलिया के भेंट की सफाई कर ली गई है। विभाग द्वारा ऐसी तैयारी की जा रही है, ताकि 2022 की संभावित बाढ़ के दौरान यदि कोई पथ खराब हुआ तो 48 घंटे के भीतर उसे परिचालन योग्य बना लिया जाएगा।

लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन ने बताया कि विभाग द्वारा जल-जीवन-हरियाली के तहत 1791 योजनाएं ली गईं, जिनमें 1439 पूर्ण हो गई हैं, जबकि 294 का कार्य पूर्णता की ओर है। बाढ़ के दौरान विभाग अन्य संबंधित विभागों के साथ पूर्ण तालमेल के साथ काम करेगा।

पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि 2021 की बाढ़ के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों को परिचालन योग्य बना लिया गया है। कुल करीब 26000 बेंट में से करीब 18000 बेंट को क्लियर कराया गया है। इस वर्ष की संभावित बाढ़ के दौरान यदि विभाग की किसी सड़क पर माइनर कट आता है तो उसे 48 घंटे में परिचालन योग्य बना दिया जाएगा।

जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर बिहार के सभी विधायकगण और विधानपार्षद गण से फीडबैक लेने की शुरुआत पिछले वर्ष की गई थी। इससे नुकसान को कम करने में मदद मिली। पिछले वर्ष की बैठक के अच्छे अनुभव एवं परिणाम के मद्देनजर इस वर्ष भी ऐसी बैठक का आयोजन किया गया है।